# Mahaveer SC®

Fipronil 5% SC

(Insecticide)

**Read Leaflet Before Use**

Fipronil 5% SC is an insecticide which is used to control insects like stem borer, brown plant hopper, green leaf hopper, rice leaf folder, rice gall midge, white backed plant hopper, whorl maggot etc. on rice; diamond back moth on cabbage; thrips, aphids and fruit borer on chilli; early shoot borer and root borer on sugarcane and aphids, jassids, thrips, whitefly and bollworms on cotton.

**Recommendation :**

| Crop(s) | Common Name of Pest | Dosage / ha a.i (gm) | Formulation (ml) | Dilution in (Litr) | Waiting Period between last spray to harvest |
|---|---|---|---|---|---|
| Rice | Stem borer<br>Brown plant hopper<br>Green leaf hopper<br>Rice leaf folder<br>Rice Gall midge<br>White backed plant hopper<br>whorl maggot | 50-75 | 1000-1500 | 500 | 32 days |
| Cabbage | Diamond back moth | 40-50 | 800-1000 | 500 | 7 days |
| Chilli | Thrips<br>Aphids<br>Fruit borer | 40-50 | 800-1000 | 500 | 7 days |
| Sugarcane | Early shoot borer<br>Root borer | 75-100 | 1500-2000 | 500 | 9 months |
| Cotton | Aphids Jassids<br>Thrips, Whitefly<br>Bollworms | 75-100<br>100 | 1500-2000<br>2000 | 500<br>500 | 6 days |

**Cautionary Statement:** 1.Not to be used for any purpose other than those subscribed on label and leaflets. 2.Destroy the container after use as directed on leaflet.

**SHAKE WELL BEFORE USE**

**Time of Application:**
Rice: The Fipronil application is to be given between 25 to 30 days after transplanting.
Cabbage: The first spray is to be given at 30 to 35 days after transplanting or when pest incidence is noticed, whichever is earlier. Repeat 2 to 3 sprays at 7 to 10 days interval.
Chilli: The first spray is to be given at 40 to 50 days after transplanting or when pest incidence is noticed, which-ever is earlier. Repeat 2 to 3 sprays at 7 to 10 days interval.
Cotton: The first spray is to be given at 30 to 35 days after sowing or when pest incidence is noticed. Repeat 2-3 sprays in sequential application with pyrethroids or organophosphates.

**Direction of use:**
Plant protection equipment, high volume nozzle fitted to sprayers like knap-sack, Air pressure foot pump, Hard rocker power operated spraying machine may be used.

**Precaution:**
1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animal food.
2. Avoid contact with mouth, eyes and skin.
3. Avoid inhalation of the spray mist. Spray in the direction of wind.
4. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying.
5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying.
6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.

**Phytotoxicity:**
The product is not phytotoxic when used as per field recommendation.
Symptoms of Poisoning:
Irritability, lethargy, muscle tremors, convulsions may occur.

**First Aid:**
1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious.
2. If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water.
3. If eyes are contaminated, flush with plenty of saline / clean water for about 10 to 15 minutes.
4. If inhaled, remove the patient to fresh air.

**Antidote:**
No specific antidote is known. Treat symptomatically.

**Disposal of used container:**
1. It shall be the duty of manufacturers, formulators and operator to dispose packages or surplus materials and washings from the machines and container shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution.
2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.
3. Packages shall be broken and burried away from habitation.

**Storage Conditions:**
1. The packages containing the insecticides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly food articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the nature of the insecticides.
2. The rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well lit, well built, dry, cool, ventilated and of sufficient dimensions to avoid contamination with vapour.

**Chemical Composition :**

| | | |
|---|---|---|
| Fipronil A.I. | : | 5.00% w/w |
| Sunflower oil | : | 5.00% w/w |
| Wetting agent (Napthalene sulphonate) | : | 3.00% w/w |
| Suspending agent ( Sodium ligno sulphonate) | : | 8.00% w/w |
| Sticking / Stabilizing agent (Carboxy methyl cellulose) | : | 4.00% w/w |
| Dispersing agent (sodium salt of Dinaphthyl methanol sulphonic acid) | : | 3.00% w/w |
| Blend of emulsifiers (Proprietory blend of alkyl phenyl ethoxylate, triglyceride ethoxylate, calcium alkyl benzyl sulphonate) | : | 8.00% w/w |
| Water | : | Q.S. to make 100% w/w |
| Total | | 100.00% w/w |

**" DANGEROUS TO RE USE EMPTY CONTAINER "**

Manufactured & Marketed by: **GHARDA CHEMICALS LIMITED**
**Regd. Office: 48, Hill Road, Bandra (W), Mumbai - 400 050. INDIA.**
Factory : Plot No. C-4/1, Kherdi M.I.D.C., Village: Kherdi, Taluka: Chiplun, District: Ratnagiri, State: Maharashtra, Pincode: 415 604. INDIA.

# महावीर एस. सी.

फिप्रोनिल ५% एस. सी.

(कीटनाशक)

**उपयोग करने से पहले पत्रिका पढें।**

फिप्रोनिल ५% एस. सी. एक उदरीय, स्पर्शीय एवं अन्तरंप्रवाही असरवाला कीटनाशक है। इसकी सिफारिश धान में लगने वाले कीटों जैसे तना छेदक, भूरा पौधका फुदका, हरी पत्ती का फुदका, धान का पत्ता लपेटक, बन्द गोभी के हीरा पीठ पतंगा कीट, मिर्ची के चुरदा, माहू और फल छेदक तथा कपास के माहू, तेला, चुरदा, सफेद मक्खी और डोडे की सुंडियों के रोकथाम के लिये की गयी है।

**उपयोग :**

| फसल | कीट के नाम | प्रति हेक्टर मात्रा स. तत्व (ग्रा.) | संरचन (मि.लि.) | पानी की मात्रा (ली.) | अंतिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अंतरल |
|---|---|---|---|---|---|
| धान | तना छेदक, भूरा फुदका, हरे पत्ती का फुदका, तेला, पत्ता मोड़क, गाल मिज, गोभ की मक्खी, सफेद पीठ का पौध फुदका | ५०-७५ | १०००-१५०० | ५०० | ३२ दिनों में |
| बंदगोभी | हीरा पीठ पतंगा | ४०-५० | ८००-१००० | ५०० | ७ दिनों में |
| मिर्ची | चूरदा, माहू, फल छेदक | ४०-५० | ८००-१००० | ५०० | ७ दिनों में |
| गन्ना | अगेती तना छेदक, जड छेदक | ७५-१०० | १५००-२००० | ५०० | ९ महिने |
| कपास | माहू, हरा तेला, चुरदा, सफेद मक्खी, डोडे की सुंडिया | ७५-१००<br>१०० | १५००-२०००<br>२००० | ५००<br>५०० | ६ दिनों में |

**चेतावनी : १) इस लेबल / लीफलेट पर निर्दिष्टफसलों के अलावा अन्य फसलों पर इस्तेमाल न करें। २) पत्रक पर दिए निर्देश अनुसार उपयोग के बाद खाली डिब्बों को नष्टकरें।**

**उपयोग करने से पहले बोतल को अच्छी तरह से हिलायें**

**छिड़काव का समय :**

**धान :** फिप्रोनिल ५% एस.सी. का छिड़काव धान रोपाई के बाद २५ से ३० दिन के अन्दर करना चाहिये

**बंद गोभी :** पहला छिड़काव रोपाई के ३० से ३५ दिन बाद करें या फसल में कीड लगने के बाद, दोनो में जो भी पहले हो। पुन: २ से ३ बार छिड़काव ७ से १० दिनों के अन्तराल पर करें

**मिर्ची :** पहला छिड़काव रोपाई के ४० से ५० दिन बाद करें या फसल में कीड लगने के बाद, दोनों में जो भी पहले हो। पुन: २ से ३ बार छिड़काव ७ से १० दिनों के अन्तराल पर करें।

**कपास :** पहला छिड़काव ३० से ३५ दिन बाद करें या फसल में कीड़ा लगने के बाद करें। पुन: २ से ३ बार छिड़काव पायरेथ्रॉईड्स या ऑर्गेनोफॉस्फेट के साथ करें।

**उपयोग के लिये निर्देश :** कृषि रक्षा सम्बन्धी यंत्र : कीटों का सफलता पूर्वक नियंत्रण के उच्च क्षमता के छिड़काव यंत्र जैसे की नैपसेक, दाबयुक्त पंप, पांव से चलने का पंप या यंत्र शक्ती से चलने वाले छिड़काव यंत्र

**प्रयोगकर्ता के लिये सावधानिया :**
१. खाद्यसाम्ग्री, खाद्यसामग्री के खाली डिब्बे और पशुओंके चारे से दूर रखे।
२. मुंह, त्वचा और आंखो के संपर्क से बाचिए।
३. छिड़काव की भाष्प को सांस द्वारा अन्दर आने से बचाऐ। हवा की दिशा मे छिड़काव करें
४. छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं।
५. छिड़काव के समय धुम्रपान, खाना, पीना, और कुछ चबाना नहीं चाहिए।
६. छिड़काव करते या मिलाते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपडे पहने

**पौध विषक्तता :** सुझाव की मात्रा के अनुसार प्रयोग करने पर यह कीटनाशक पौध विषाक्त नहीं है।

**विषबाधा के लक्षण :** चिडचिडापन, आलस्य, मांसपेशियों में कंपन, झटक (मिरगी) हो सकते है

**प्राथमिक चिकित्सा :**
१. यदि निगल जाए तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी करवायें यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वार निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न कराये
२. यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो कपडे उतार दे और दूषित त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं
३. यदि आंखा दूषित हो जाए तो उनके काफी मात्रा में सलाईन/ साफ पानी से लगभग १०-१५ मिनट तक धोएं।
४. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जाएं।

**विशेषोपचार :** इसको कोई विशिष्ट दवा नहीं है। लक्षणानुसार इलाज करें।

**खाली डिब्बों का निपटारा :**
१. कीटनाशक निर्माताओ का कर्तव्य है की डिब्बों या पात्रो को तोडफोडकर आबादी से दूर जमीन मे गाड देना चाहिए।
२. प्रयोग किये गये डिब्बों को दुबारा उपयोग के लिए बाहर खुला न छोडे।
३. डिब्बों, या बची हुई कीटनाशक, तथा यंत्रो के धोवन का निपटारा इस प्रकार करे की जिससे आसपास की आबादी व पीने का पानी विषेला न हो।

**संग्रहण की शर्ते :**
१. कीटनाशक के डिब्बे का संग्रहण अलग कमरे या स्थान पर, अन्य वस्तुओं विशेषकर खाद्य पदार्थो के संग्रहण कक्ष से दूर किया जाना चाहिए या कीटनाशक की मात्रा और स्वभाव पर निर्भर करते हुए डिब्बों को अलग अलमारी में ताला चाबी लगा कर रखें।
२. संग्रहण का कमरा लम्बा चौडा मजबूत, साफ खुला तथा हवादार होना चाहिए कमरे में रोशनी का पूर्ण प्रबन्ध होना चाहिए। कमरा शुष्क तथा ठंडा होना चाहिए जिससे बाष्प वायु न हो सके

**रासायनिक संरचना :**

| | | |
|---|---|---|
| फिप्रोनिल, सक्रिय तत्व | : | ५.००% व/व |
| सूरजमूखी तेल | : | ५.००% व/व |
| वैटिंग एजेन्ट (नेफ्थलीन सल्फोनेट) | : | ३.००% व/व |
| सस्पेंडिंग एजेन्ट (सोडियम लिग्नो सल्फोनेट) | : | ८.००% व/व |
| स्टिकिंग/ स्टेबिलाईजिंग एजेन्ट (कार्बोक्सी मिथाइल सेल्युलोज) | : | ४.००% व/व |
| डिसपर्सिंग एजेन्ट (सोडियम सॉल्ट ऑफ डाईनेफ्थाईल मिथेनोल सल्फोनिक ॲसिड) | : | ३.००% व/व |
| ब्लेन्ड ऑफ एमल्सीफायर्स (प्रोपराईटरी ब्लेन्ड ऑफ अल्काईल फिनोल ईथॉक्सीलेट, ट्राईग्लिसराइड इथॉक्सीलेट, कॅल्शीयम अल्काईल बेन्झाईल सल्फोनेट) | : | ८.००% व/व |
| पानी | : | १००.००% बनने के लिए पर्याप्त मात्रा |
| कुल | : | १००.००% व/व |

**" खाली कंटेनर का दोबारा उपयोग करना खतरनाक है। "**

निर्माता और विक्रेता: **घरडा केमिकल्स लिमिटेड**
पंजी.कार्यालय: ४८, हिल रोड, बांद्रा (प.), मुंबई-४०००५०. भारत.
फैक्टरी: प्लॉट नं. सी-४/१, खेरडी एम.आय.डी.सी., गाँव: खेरडी, तालुका: चिपळुण, जिला: रत्नागिरी, राज्य: महाराष्ट्र, पिनकोड: ४१५६०४. भारत.

# महावीर एस. सी.

फिप्रोनिल ५% एस. सी.

(कीटनाशक)

**वापरण्यापूर्वी पत्रिका वाचा.**

फिप्रोनिल ५% एस.सी. हे कीटकनाशकाचा वापर खोड पोखरणाऱ्या अळी, तपकिरी तुडतुडे, हिरवे पानावरील तुडतुडे, भातावरील पाने गुंडाळणाऱ्या अळ्या, भातावरील मिजमाशी किड, पांढऱ्या पाठीचे तुडतुडे, व्हर्ल मॅगट इ. तसेच कोबीवरील चौकोनी ठिपक्यांचा पतंग, मिरचीवरील थ्रीप्स, मावा, आणि फळे पोखरणाऱ्या अळ्या, ऊसावरील आरंभीचा शेंडे पोखरणाऱ्या व मूळ पोखरणाऱ्या किडींवर तसेच कपाशी वरील मावा, फुलकिडे, तुडतुडे, पांढरी माशी आणि बोंड अळ्यावर नियंत्रण ठेवण्यास उपयुक्त ठरतो.

**वापरा विषयी शिफारस :**

| पीक | किडीचे प्रचलीत नाव | मात्रा (दर हेक्टरी) सक्रिय घटक (ग्रॅ.) | द्रावण (मि.लि.) | फवारणीसाठी पाणी | अंतिम फवारणी पासून कापणी पर्यंत काळ (दिवसात) |
|---|---|---|---|---|---|
| भात | खोड किडा<br>तपकिरी तुडतुडे<br>हिरव्या पानावरील तुडतुडे<br>पाने गुंडाळणाऱ्या अळ्या<br>भात वरील मिजमाशी<br>व्हर्ल अळी<br>पांढऱ्या पाठीचा तुडतुडा | ५० ते ७५ | १००० ते १५०० | ५०० | ३२ दिवस |
| कोबी | डायमंड बॅक मॉथ | ४० ते ५० | ८०० ते १००० | ५०० | ७ दिवस |
| मिरची | तुडतुडे<br>मावा<br>फळे पोखरणारी अळी | ४० ते ५० | ८०० ते १००० | ५०० | ७ दिवस |
| ऊस | शेंडा पोखरणारी अळी<br>व खोडकीड | ७५ ते १०० | १५०० ते २००० | ५०० | ९ महिने |
| कापूस | मावा, फुलकिडे, तुडतुडे, पांढरी माशी<br>बोंड अळ्या | ७५ ते १००<br>१०० | १५०० ते २०००<br>२००० | ५००<br>५०० | ६ दिवस |

**चेतावणी:** १. लेबल आणि पत्रकांवर लिहिल्या व्यतिरिक्त इतर कोणत्याही कारणासाठी वापरू नये. २. पत्रकावर सांगितल्याप्रमाणे कंटेनर वापरल्यानंतर नष्ट करा.

**वापरण्यापूर्वी बाटली व्यवस्थित हलवा**

**वापरण्याची वेळ :**
भात : फिप्रोनीलचा वापर लावणीनंतर २५ ते ३० दिवसांनी केला पाहिजे.
कोबी : पहिली फवारणी लावणीनंतर ३० ते ३५ दिवसांनी किंवा किटकांचा प्रादुर्भाव यापैकी जे प्रथम होईल त्यानंतर केली पाहिजे. ७ ते १० दिवसाच्या अंतराने २ ते ३ फवारण्या कराव्या.
मिरची : पहिली फवारणी लावणीनंतर ४० ते ५० दिवसांनी किंवा किटकांचा प्रादुर्भाव यापैकी जे प्रथम होईल त्यानंतर केली पाहिजे ७ ते १० दिवसाच्या अंतराने २ ते ३ फवारण्या कराव्या.
कापूस : पहिली फवारणी लावणीनंतर ३० ते ३५ दिवसांनी किंवा किटकांचा प्रादुर्भाव यापैकी जे प्रथम होईल त्यानंतर केली पाहिजे. त्यानंतर २ ते ३ फवारण्या पायरेथ्राइड्स किंवा ऑर्गनोफॉस्फेट या किटकनाशकांसोबत आलटून पालटून कराव्यात.

**वापराची पद्धत :**
फवारणीचे साधन उदा. नॅप्सॅक, एअरप्रेशर फुटपंप, हार्ड रॉकर, किंवा इंधनावर चालणारे फवारणी यंत्र. ज्यावर हायव्हॉल्युम नोझल बसविलेले आहे अशी यंत्रे वापरणे उत्तम ठरेल.

**सावधगिरी :**
१) खाद्यपदार्थ, खाद्यपदार्थांचे रिकामे डबे आणि जनावरांचे दाणा वैरण यापासून दूर ठेवावे.
२) तोंड, डोळे व त्वचा यांच्याशी डायरेक्ट संपर्क टाळावा.
३) श्वासाद्वारे उपर नही म्हणजी फवारणी मिश्रणाचा वास घेणे टाळा. व वाऱ्याच्या दिशेने फवारा.
४) फवारणीनंतर किटकनाशकाच्या संपर्कात आलेले कपडे व शरिराचे अवयव भरपूर पाण्याने स्वच्छ व नीट धुवून घ्या.
५) फवारणी करत असताना धुम्रपान, खाणे किंवा पेणे अथवा पानतंबाखु सेवन करु नये.
६) फवारतांना तसेच द्रव्य बनवितांना पूर्ण अंग झाकेल अशी अंगसंरक्षक कपडे वापरावित

**पिकावरील दुष्परिणाम :**
शिफारस केल्या मात्रेनुसार फवारणी केल्यास पिकावर कोणताही अनिष्ट/दुष्परिणाम होत नाहीं

**विषबाधेची लक्षणे :**
जळजळ, खाज, सुस्ती आणि स्नायूंचे थरथर तसेच आकडी/ आचकी येणे ही लक्षणे जाणवतात.

**प्रथमोचार**
१) हे रसायन पोटात गिळले गेल्यास घश्याच्या मागील भागावर बोटांनी गुदगुल्या करून उलट्या कराव्यात रोगी बेशुद्ध स्वरूपात असेल तर उलट्या करू नयेत
२) जर कपडे किंवा त्वचा किटकनाशकाच्या संपर्कात आणि असेल तर कपडे काढून त्वचा भरपूर पाण्याने साबण लावून स्वच्छ धुवावी.
३) जर डोळ्यात गेले असेल तर डोळे सलाइन वॉटर किंवा स्वच्छ पाण्याने १० ते १५ मिनिट उघडून धुवावेत.
४) जर श्वासावाटे गेले असेल तर रोग्याला ताबडतोब मोकळ्या हवेत हलवावे.

**उतारा :**
खास असा उतारा माहित नाही. लक्षणानुसार उपचार करावेत.

**रिकाम्या डब्यांची विल्हेवाट :**
१) उत्पादक व वापरकरणाऱ्यांनी रिकामे डबे, जास्तीचे झालेले द्रावण वापरलेले फवारणी पंप व रिकामे डबे धुतांना व नष्ट करताना सुरक्षितता बाळगणे, आवश्यक खबरदारी घेणे गरजेचे आहे कि ज्यामुळे सभोवतालचे वातावरण आणि पाणी प्रदुषित होणार नाई.
२) रिकाम्या डब्यांचा पुर्नवापर टाळण्यासाठी ते उघड्यावर टाकू नयेत.
३) रिकामे डबे व्यवस्थित तोडून मोकळ्या जागेच्या वस्तीपासून दूर जमिनीत पुरून टाकावेत.

**साठवण :**
१) किटकनाशक असलेले डबे वेगळ्या खोलीत किंवा वेगळ्या जागेपासून दूर तसेच इतर पदार्थ साठविण्याच्या जागेपासून मुखत: खाद्यपदार्थ साठविण्याच्या जागेपासून दूर कपाटात कुलुपबंद अवस्थेत ठेवावेत.
२) हवेतील प्रदुषण टाळण्यासाठी किटकनाशक साठविण्याची जागा मजबुत बांधणीची, कोरडी, थंड, प्रशस्त आणि भरपूर प्रकाश व हवा खेळती असलेली असणे आवश्यक आहे.

**रासायनिक संयोजन :**

| | | |
|---|---|---|
| फिप्रोनील स. घ. त. | : | ५.००% व/व |
| सूर्यफूल तेल | : | ५.००% व/व |
| भिजवणारा पदार्थ (नॅफ्थॅलीन सल्फोनेट) | : | ३.००% व/व |
| लोंबणारा पदार्थ (सोडियम लिग्नो सल्फोनेट) | : | ८.००% व/व |
| चिकटवणारा/स्थिरक पदार्थ (कार्बोक्सी मिथाइल सेल्युलोज) | : | ४.००% व/व |
| पसरणारा पदार्थ (सोडियम सॉल्ट ऑफ-डायनॅफ्थील मेथॅनॉल सल्फोनिक ॲसिड) | : | ३.००% व/व |
| एमल्सिफायरचे मिश्रण - (अल्काईल फेनॉल इथॉक्सिलेट, ट्रायग्लिसराईड इथॉक्सिलेट, कॅल्शिअम अल्काईल बेन्झील सल्फोनेटचे प्रोप्रायटरी मिश्रण) | : | ८.००% व/व |
| पाणी | : | १००% व/व करण्यासाठीच पुरेसे प्रमाण |
| एकूण | : | १००.००% व/व |

**" रिकामे कंटेनर पुन्हा वापरणे धोकादायक आहे."**

उत्पादनकर्ता व विक्रेता: **घरडा केमिकल्स लिमिटेड**
रजी. कार्यालय: ४८, हिल रोड, वांद्रे (प.), मुंबई-४०००५०. भारत.
फॅक्टरी: प्लॉट नं. सी-४/१, खेरडी एम.आय.डी.सी., गाव: खेरडी, तालुका: चिप्लुण, जिल्हा: रत्नागिरी, राज्य: महाराष्ट्र, पिनकोड: ४१५६०४. भारत.

# મહાવીર એસસી

ફિપ્રોનિલ ૫ % એસસી

(જંતુનાશક)

**ઉપયોગ પૂર્વે લેબલ વાંચો.**

ફિપ્રોનિલ ૫ % એસસી જંતુનાશક છે, જે ડાંગર પરની ગાભમારાની ઈયળ, છોડના ભુખરા તીતીઘોડા, પાનના લીલા તીતીઘોડા, ડાંગરના પાન વાળનારી જીવાત, ડાંગરની ગાંઠિયા જીવાત, છોડના સફેદ પીઠવાળા તીતીઘોડા, વ્હૉર્લ મેગોટ વગેરે જેવી જીવાતના નિયંત્રણ માટે વપરાય છે. કોબીજની હિરાકુદાની ઈયળ, મરચાની થ્રીપ્સ, મોલો, ફળની ઈયળ, શેરડીનો થડ છેદક, મૂળછેદક અને કપાસની થ્રીપ્સ, મોલો, લીલા ચુસિયા, સફેદ માખી તેમજ જીંડવાની ઈયળોના નિયંત્રણ માટે.

**ભલામણ :-**

| પાક | જંતુનું સામાન્ય નામ | પ્રમાણ/ હેક્ટર સ.ઘ. (ગ્રામ) | રચના (મિ.લી.) | પાણીમાં મંદ કરવા (લી.) | છેલ્લા છંટકાવથી લણણી સુધી પ્રતીક્ષા ગાળો |
|---|---|---|---|---|---|
| ડાંગર | ગાભમારાની ઈયળ<br>છોડના ભુખરા તીતીઘોડા<br>પાનના લીલા તીતીઘોડા<br>ડાંગરની પાન વાળતી જીવાત<br>ડાંગરની ગાંઠિયા જીવાત<br>છોડના સફેદ પીઠવાળા તીતીઘોડા, વ્હૉર્લ મેગોટ | ૫૦-૭૫ | ૧૦૦૦-૧૫૦૦૦ | ૫૦૦ | ૩૨ દિવસ |
| કોબીજ | હીરાકુદાની ઈયળ | ૪૦-૫૦ | ૮૦૦-૧૦૦૦ | ૫૦૦ | ૭ દિવસ |
| મરચાં | થ્રીપ્સ, લીલા ચૂસિયા, મોલોમશી, ફળ કોરીદા | ૪૦-૫૦ | ૮૦૦-૧૦૦૦ | ૫૦૦ | ૭ દિવસ |
| શેરડી | થડછેદક, મૂળછેદક | ૭૫-૧૦૦ | ૧૫૦૦-૨૦૦૦ | ૫૦૦ | ૯ મહિના |
| કપાસ | મોલો, લીલા ચૂસિયા થ્રીપ્સ, સફેદમાખી,<br>જીંડવાની ઈયળ | ૭૫-૧૦૦<br>૧૦૦ | ૧૫૦૦-૨૦૦૦<br>૨૦૦૦ | ૫૦૦<br>૫૦૦ | ૬ દિવસ |

**સાવચેતીભર્યું નિવેદન:** ૧. લેબલ અને પત્રિકાઓ પર સબસ્ક્રાઈબ કરેલ હોય તે સિવાયના કોઈપણ હેતુ માટે ઉપયોગ કરવો નહીં. ૨. પત્રિકા પરના નિર્દેશ મુજબ ઉપયોગ કર્યા પછી કન્ટેનરનો નાશ કરો.

**વપરાશ પહેલાં બાટલીને યોગ્ય રીતે હલાવો.**

**વાપરવાનો સમય :-**
ડાંગર - ફિપ્રોનિલનો ઉપયોગ ડાંગરની ફેર રોપણી પછી ૨૫-૩૦ દિવસની વચ્ચે કરવો.
કોબીજ - પહેલો છંટકાવ ફેર રોપણી પછી ૩૦ થી ૩૫ દિવસે અથવા જંતુઓનો ઉપદ્રવ જણાય ત્યારે છંટકાવ કરવો. ૭ થી ૧૦ દિવસના અંતરથી ૨ થી ૩ છંટકાવ કરવા.
મરચાં - ફેર રોપણી પછી ૪૦ થી ૫૦ દિવસે પહેલો છંટકાવ કરવો અથવા જંતુઓના ઉપદ્રવ જણાય ત્યારે કરવો. ૭ થી ૧૦ દિવસના અંતરે ૨ થી ૩ છંટકાવ કરવા.
કપાસ - વાવણી પછી ૩૦-૩૫ દિવસે પ્રથમ છંટકાવ કરવો અથવા જંતુઓનો ઉપદ્રવ જણાય ત્યારે છંટકાવ કરવો. ૨ થી ૩ છંટકાવ પાયરેથ્રોઈડ્સ, ઓર્ગેનોફોસ્ફેટ ગ્રુપની દવા સાથે વારાફરતી કરવા.

ઉપયોગની ભલામણ :-
દવા છાંટવા માટે હાઈ વોલ્યુમ નોઝલ ફીટ કરેલો પંપ જેવો કે નેપસેક સ્પ્રેયર અથવા એર પ્રેસર ફુટ પંપ અથવા હાર્ડ રોકર પંપ અથવા પાવર સંચાલીત મશીન પંપનો ઉપયોગ કરવો.

**સાવચેતી :**
૧. ખાદ્યપદાર્થો, ખાદ્યપદાર્થોના ખાલી પાત્રો અને પશુ આહારથી દૂર રાખો.
૨. મોં, આંખ તથા ત્વચા સાથે સંસર્ગ ટાળો.
૩. છંટકાવનું ધુમ્મસ શ્વાસમાં લેવાનું ટાળો, પવનની દિશામાં છાંટો.
૪. છાંટી રહ્યા પછી દૂષિત થયેલા કપડાં અને શરીરના ભાગો સંપૂર્ણ ધોઈ નાંખો.
૫. છાંટતી વખતે ધુમ્રપાન ન કરવું, કંઈ ખાવું, પીવું અને ચાવવું નહીં.
૬. મિશ્રણ કરતી અને છાંટતી વખતે સંપૂર્ણ રક્ષણાત્મક કપડાં પહેરો.

**વનસ્પતિ માટે ઝેરતત્વ:**
જ્યારે ક્ષેત્રે ભલામણ મુજબ વાપરવામાં આવે ત્યારે ઉત્પાદન વનસ્પતિ માટે ઝેરી નથી.
ઝેર ચઢવાના લક્ષણો:
ચીડિયાપણું, સુસ્તિ, સ્નાયુના કંપન, આંચકીઓ ઉદ્ભવી શકે.

**પ્રાથમિક ઉપચાર:**
૧. જો દવા ગળામાં આવે તો ગળાના આગળના ભાગે આંગળી નાંખી ઉલટી કરાવો. જ્યાં સુધી ઉલટીનું પ્રવાહી સ્વચ્છ આવે ત્યાં સુધી આમ કરતા રહો. જો દરદી બેભાન હોય, તો ઉલટી કરાવશો નહીં.
૨. જો કપડાં અને ત્વચા દૂષિત થાય તો કપડાં કાઢી નાંખો અને દૂષિત થયેલી ત્વચા પુષ્કળ પ્રમાણમાં સાબુ અને પાણીથી ધોઈ નાખો.
૩. જો આંખ દવાથી દૂષિત થાય તો, આશરે ૧૦ થી ૧૫ મિનિટ સુધી પુષ્કળ નીઠાન / સ્વચ્છ પાણીથી છાલક મારીને ધુઓ.
૪. જો દવા શ્વાસમાં જાય, તો દરદીને તાજી હવામાં ખસેડો.

**ઝેરનું મારણ:**
કોઈ ચોક્કસ મારણ જાણમાં નથી. લક્ષણો અનુસાર સારવાર આપો.

વપરાયેલા ડબ્બાનો નિકાલ:
૧. ઉત્પાદકો, ફોર્મ્યુલા તૈયાર કરનારાઓ અને સંચાલકની એ ફરજ રહેશે કે પેકેજીસ અથવા વધારાની સામગ્રી તથા મશીનોમાંથી ધોવાણ અને પાત્રને સેવી સલામત રીતે નિકાલ કરવામાં આવે કે જેથી પર્યાવરણ અને જળ પ્રદૂષણ થતું અટકાવી શકાય.
૨. વપરાયેલા પેકેજીસને ફરીથી ઉપયોગ થતો રોકવા બહાર રાખવાં નહીં.
૩. પેકેજીસ ભાંગી નાખવાં અને વસ્તીથી દૂર દાટી દેવા.

**સંગ્રહની સ્થિતિ :**
૧. જંતુનાશક ધરાવતા પેકેજીસ, બીજી ચીજવસ્તુઓ ખાસ કરીને ખોરાકની ચીજોના સંગ્રહ માટે વપરાતાં ઓરડાં અથવા જગ્યાથી દૂર અલગ ઓરડા અથવા જગ્યામાં સંગ્રહવા અથવા જંતુનાશકના પ્રકાર ઉપર આધાર રાખીને અલગ કબાટોમાં તાળાં ચાવીમાં બંધ કરીને રાખવા.
૨. જંતુનાશકો સંગ્રહવા માટેના ઓરડા અથવા જગ્યા સારો પ્રકાશ ધરાવતા, સારા બાંધેલ, સૂકાં, ઠંડકવાળા, હવા દાર અને પૂરતી માપના વાળા હોવા જોઈએ જેથી વરાળથી દૂષિત થવાનું ટાળી શકાય.

**રાસાયણિક રચના :**

| | | |
|---|---|---|
| ફિપ્રોનિલ સ.ઘ. | : | ૫.૦૦% વ/વ |
| સુરજમુખી તેલ | : | ૫.૦૦% વ/વ |
| વેટીંગ એજન્ટ (નાફ્થાલીન સલ્ફોનેટ) | : | ૩.૦૦% વ/વ |
| સસ્પેન્ડીંગ એજન્ટ (સોડિયમ લિગ્નો સલ્ફોનેટ) | : | ૮.૦૦% વ/વ |
| સ્ટીકીંગ / સ્ટેબિલાઈઝીંગ એજન્ટ (કાર્બોક્સી મિથાઈલ સેલ્યુલોઝ) | : | ૪.૦૦% વ/વ |
| ડિસ્પરસિંગ એજન્ટ (ડાયનાફ્થાઈલ મેથાનોલ સલ્ફોનેટ એસિડનું સોડિયમ સોલ્ટ) | : | ૩.૦૦% વ/વ |
| ઈમલ્સિફાયર્સનું મિશ્રણ (આલ્કાઈલ ફિનોલ ઈથોક્સિલેટ, ટ્રાયગ્લીસરાઈડ ઈથોક્સિલેટ, કેલ્શિયમ આલ્કાઈલ બેન્ઝિલ સલ્ફોનેટનું પ્રોપ્રાયટરી મિશ્રણ) | : | ૮.૦૦% વ/વ |
| પાણી | : | સપ્રમાણ કરવા ૧૦૦.૦૦% વ/વ |
| કુલ | : | ૧૦૦.૦૦% વ/વ |

**''ખાલી ડબ્બા ફરીથી ઉપયોગ કરવાનું ખતરનાક છે.''**

ઉત્પાદક અને વિક્રેતા: **ઘરડા કેમિકલ્સ લિમિટેડ**
રજી.ઑફીસ: ૪૮, હીલ રોડ, બાંદ્રા (પશ્ચિમ), મુંબઈ ૪૦૦ ૦૫૦. ભારત.
ફેક્ટરી : પ્લોટ નં. સી-૪/૧, ખેરડી એમ આય ડી સી, ગામ: ખેરડી, તાલુકા: ચિપળુણ, જિલ્લો-રત્નાગિરિ, રાજ્ય: મહારાષ્ટ્ર, પિનકોડ: ૪૧૫૬૦૪. ભારત.

# ਮਹਾਵੀਰ ਐਸਸੀ

ਫ਼ਿਪਰੋਨਿਲ ੫% ਐਸਸੀ

(ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ)

**ਵਰਤਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪਰਚਾ ਪੜ੍ਹ ਲਓ।**

ਫ਼ਿਪਰੋਨਿਲ ੫% ਐਸਸੀ ਇੱਕ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਹੈ ਜੋ ਝੋਨੇ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਤਣਾ ਛੇਦਕ, ਭੂਰੇ ਪੌਦਾ ਟਿੱਡੇ, ਹਰੇ ਟਿੱਡੇ, ਚਾਵਲ ਦਾ ਪੱਤਾ ਲਪੇਟ, ਚਾਵਲ ਗਾਲ ਮਿੱਜ, ਚਿੱਟੀ ਪਿੱਠ ਵਾਲਾ ਪੌਦਾ ਟਿੱਡਾ, ਵ੍ਹਰਲ ਮੈਗਟ ਆਦਿ ਉੱਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵਾਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

**ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ :**

| ਫ਼ਸਲ | ਕੀੜੇ ਦਾ ਆਮ ਨਾਂ | ਪ੍ਰ. ਹੈ. ਕਿ.ਤ. (ਗ੍ਰਾ.) | ਫ਼ਾਰਮੂ (ਮਿ.ਲੀ.) | ਘੋਲਣ ਪਾਣੀ (ਲੀ.) | ਕਾਪਣੀ ਪਹਿਲੂ ਤੋਂ ਕਟਾਈ ਤਕ ਉਡੀਕ |
|---|---|---|---|---|---|
| ਝੋਨਾ | ਤਣਾ ਛੇਦਕ<br>ਭੂਰਾ ਪੌਦਾ ਟਿੱਡਾ<br>ਹਰਾ ਪੱਤਾ ਟਿੱਡਾ<br>ਚਾਵਲ ਪੱਤਾ ਲਪੇਟ<br>ਚਾਵਲ ਗਾਲ ਮਿੱਜ<br>ਚਿੱਟੀ ਪਿੱਠ ਵਾਲਾ ਪੌਦਾ ਟਿੱਡਾ<br>ਵ੍ਹਰਲ ਮੈਗਟ | ੫੦-੭੫ | ੧੦੦੦-੧੫੦੦ | ੫੦੦ | ੩੨ ਦਿਨ |
| ਬੰਦ ਗੋਭੀ | ਡਾਇਮੰਡ ਬੈਕ ਮੌਥ | ੪੦-੫੦ | ੮੦੦-੧੦੦੦ | ੫੦੦ | ੭ ਦਿਨ |
| ਮਿਰਚ | ਥ੍ਰਿਪਸ, ਤੇਲਾ, ਫਲ ਛੇਦਕ | ੪੦-੫੦ | ੮੦੦-੧੦੦੦ | ੫੦੦ | ੭ ਦਿਨ |
| ਗੰਨਾ | ਅਗੇਤਾ ਕੌਂਪਲ ਛੇਦਕ<br>ਜੜ ਛੇਦਕ | ੭੫-੧੦੦ | ੧੫੦੦-੨੦੦੦ | ੫੦੦ | ੯ ਮਹੀਨੇ |
| ਕਪਾਹ | ਕਾਲਾ ਤੇਲਾ,<br>ਥ੍ਰਿਪਸ, ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ,<br>ਟੀਂਡੇ ਦੀ ਸੁੰਡੀ | ੭੫-੧੦੦<br>੧੦੦ | ੧੫੦੦-੨੦੦੦<br>੨੦੦੦ | ੫੦੦<br>੫੦੦ | ੬ ਦਿਨ |

**ਚੇਤਾਵਨੀਆਂ:** 1. ਲੇਬਲ ਅਤੇ ਪਰਚਿਆਂ ਉੱਤੇ ਦਰਸਾਏ ਗਏ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਉਦੇਸ਼ ਲਈ ਨਹੀਂ ਵਰਤਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। 2.ਪਰਚੇ ਉੱਤੇ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਵਰਤੋਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਡੱਬੇ ਨੂੰ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ।

**ਵਰਤੋਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੋਤਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਲਾਓ**

**ਵਰਤਣ ਦਾ ਸਮਾਂ :**
ਝੋਨਾ : ਫ਼ਿਪਰੋਨਿਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਂ ਫ਼ਸਲ ਬੀਜਣ ਤੋਂ ੨੫ ਅਤੇ ੩੦ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚਕਾਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਬੰਦ ਗੋਭੀ : ਪਹਿਲਾ ਛਿੜਕਾਅ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ੩੦-੩੫ ਦਿਨਾਂ 'ਤੇ ਜਾਂ ਜਦ ਕੀੜੇ ਵੇਖੇ ਜਾਣ, ਜੋ ਵੀ ਅਗੇਤ ਹੋਵੇ, ਕਰਨ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ੭-੧੦ ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਵਕਫ਼ੇ ਨਾਲ ੨ ਤੋਂ ੩ ਵਾਰੀ ਦੁਹਰਾਓ।

ਵਰਤਣ ਲਈ ਹਦਾਇਤ :
ਹਾਈ ਵਾਲਿਊਮ ਨੋਜ਼ਲ ਲਗਾ ਕੇ ਨੈਪਸੈਕ, ਏਅਰ ਪ੍ਰੈਸ਼ਰ ਫੁੱਟ ਪੰਪ, ਹਾਰਡ ਲਾਕਰ ਜਾਂ ਪਾਵਰ ਨਾਲ ਚੱਲਣ ਵਾਲਾ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

**ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ :**
੧. ਭੋਜਨ, ਭੋਜਨ ਦੇ ਖਾਲੀ ਬਰਤਨਾਂ ਅਤੇ ਪਸ਼ੂ ਚਾਰੇ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰੱਖੋ
੨. ਮੂੰਹ, ਅੱਖਾਂ ਅਤੇ ਤਵਚਾ ਨਾਲ ਛੋਹਣ ਦਿਓ।
੩. ਸਪ੍ਰੇ ਮਿਸਟ ਵਿੱਚ ਸਾਹ ਨਾ ਲਓ। ਛਿੜਕਾਅ ਹਵਾ ਵਗਣ ਦੇ ਪਾਸੇ ਕਰੋ
੪. ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਕੰਮ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪਲੀਤ ਹੋਏ ਕਪੜੇ ਅਤੇ ਸਰੀਰ ਦੇ ਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਲਓ।
੫. ਛਿੜਕਾਅ ਕਰਦੇ ਹੋਏਆਂ ਨਾ ਕੁਝ ਖਾਓ ਪੀਓ, ਨਾ ਧੂਮਰਪਾਨ ਕਰੋ।
੬. ਮਿਲਾਉਣ ਅਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰਦੇ ਸਮੇਂ ਸਾਰੇ ਬਚਾਅਕਾਰੀ ਕਪੜੇ ਪਹਿਨੋ।

**ਵਨਸਪਤਿਕ ਵਿਸ਼ੈਲਾਪਣ :**
ਖੇਤ ਦੀਆਂ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਵਰਤਣ ਨਾਲ ਇਹ ਪੌਦਿਆਂ ਲਈ ਵਿਸ਼ੈਲਾ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ।
ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੀਆਂ ਅਲਾਮਤਾਂ :
ਚਿੜਚਿੜਾਪਣ, ਸੁਸਤੀ, ਪੱਠਿਆਂ ਅੰਦਰ ਕਾਂਬਾ, ਐਂਠ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।
ਫ਼ਸਟ ਏਡ
੧. ਨਿਗਲੇ ਜਾਣ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵਿੱਚ ਗਲੇ ਅੰਦਰ ਗੁਦਗੁਦੀ ਕਰਕੇ ਉਲਟੀ ਕਰਨ ਲਈ ਉਕਸਾਓ ਉਲਟੀ ਦਾ ਪਾਣੀ ਸਾਫ਼ ਹੋਣ ਤਕ ਏਦਾਂ ਕਰਦੇ ਰਹੋ। ਜੇ ਮਰੀਜ਼ ਬੇਹੋਸ਼ ਹੈ, ਤਾਂ ਉਲਟੀ ਕਰਨ ਲਈ ਨਾ ਉਕਸਾਓ।
੨. ਜੇ ਕਪੜੇ ਅਤੇ ਤਵਚਾ ਪਲੀਤ ਹੋ ਗਈ ਹੋਵੇ, ਕਪੜੇ ਉਤਾਰ ਕੇ ਪਲੀਤ ਹੋਈ ਤਵਚਾ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਧੋਲਓ।
੩. ਅੱਖਾਂ 'ਤੇ ਅਸਰ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਨਮਕੀਨ/ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ੧੦-੧੫ ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਧੋਕੇ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ
੪. ਦਵਾਈ ਸੁੰਘੀ ਗਈ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਤਾਜ਼ੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ।

**ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ:**
ਕੋਈ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਲਾਮਤੀ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।
ਖਾਲੀ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ:
੧.ਇਸ ਦਵਾਈ ਦੇ ਨਿਰਮਾਤਾਵਾਂ, ਫ਼ਾਰਮੂਲੇਟਰਾਂ ਅਤੇ ਵਰਤਣ ਵਾਲੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਡਿਊਟੀ ਹੋਏਗੀ ਕਿ ਪੈਕੇਜਾਂ ਜਾਂ ਫ਼ਾਲਤੂ ਰਹਿ ਗਈ ਦਵਾਈ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਤੇ ਬਰਤਨਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਨਿਕਲਣ ਵਾਲੇ ਗੰਦੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਏਦਾਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਹੋਵੇ।
੨. ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਾ ਪਏ ਰਹਿਣ ਦਿਓ ਤਾਂ ਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾਣ।
੩. ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਤੋੜ-ਭੰਨ ਕੇ ਬਸਤੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਜ਼ਮੀਨ ਹੇਠਾਂ ਦਬਾ ਕੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ।

**ਸਟੋਰੇਜ ਦੀਆਂ ਹਾਲਤਾਂ :**
੧. ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਪੈਕੇਜਾਂ ਨੂੰ ਦੂਜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ, ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਖਾਣ ਦੇ ਪਦਾਰਥ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਤੋਂ ਦੂਰ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰੇ ਅੰਦਰ ਜਾਂ ਦਵਾਈ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖਰੀ ਅਲਮਾਰੀ ਅੰਦਰ ਤਾਲਾ ਮਾਰਕੇ ਰੱਖੋ।
੨. ਇਹ ਕਮਰੇ/ਸਥਾਨ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣੇ ਹੋਣ, ਰੌਸ਼ਨੀਦਾਰ, ਹਵਾਦਾਰ, ਸੁੱਕੇ, ਠੰਢੇ ਅਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਡੁਲ੍ਹੇ ਸਾਈਜ਼ ਦੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਹਵਾੜ ਨਾਲ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਫੈਲੇ।

**ਰਸਾਇਣਕ ਮਿਸ਼ਰਨ :**

| | | |
|---|---|---|
| ਫ਼ਿਪਰੋਨਿਲ ਕਿ.ਤ. | : | ੫.੦੦% ਵ/ਵ |
| ਸੂਰਜਮੁਖੀ ਤੇਲ | : | ੫.੦੦% ਵ/ਵ |
| ਵੈਟਿੰਗ ਏਜੰਟ (ਨੈਫ਼ਥਾਲੀਨ ਸਲਫ਼ੋਨੇਟ) | : | ੩.੦੦% ਵ/ਵ |
| ਸਸਪੈਂਡਿੰਗ ਏਜੰਟ (ਸੋਡੀਅਮ ਲਿਗਨੋ ਸਲਫ਼ੋਨੇਟ) | : | ੮.੦੦% ਵ/ਵ |
| ਸਟਿੱਕਿੰਗ ਸਟੈਬਲਾਈਜ਼ਿੰਗ ਏਜੰਟ (ਕਾਰਬੋਕਸੀ ਮਿਥਾਈਲ ਸੈਲੂਲੋਜ਼) | : | ੪.੦੦% ਵ/ਵ |
| ਡਿਸਪਰਸਿੰਗ ਏਜੰਟ (ਸੋਡੀਅਮ ਸਾਲਟ ਆਫ਼ ਡਾਇਨੈਫ਼ਥਾਈਲ ਮੈਥਾਨੋਲ ਸਲਫ਼ੋਨਿਕ ਐਸਿਡ) | : | ੩.੦੦% ਵ/ਵ |
| ਇਮਲਸੀਫਾਇਰਾਂ ਦਾ ਬਲੈਂਡ (ਅਲਕਾਈਲ ਫੀਨਾਈਲ ਈਥੋਕਸੀਲੇਟ, ਟ੍ਰਾਈਗਲਾਈਸਰਾਈਡ ਈਥੋਕਸੀਲੇਟ, ਕੈਲਸ਼ੀਅਮ ਅਲਕਾਈਲ ਬੈਂਜ਼ੀਲ ਸਲਫ਼ੋਨੇਟ ਦਾ ਮਲਕੀਅਤੀ ਬਲੈਂਡ) | : | ੮.੦੦% ਵ/ਵ |
| ਪਾਣੀ | : | ੧੦੦% ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਕਿਉ.ਐਸ |
| ਕੁੱਲ | : | ੧੦੦.੦੦% ਵ/ਵ |

**''ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨਾ ਖਤਰਨਾਕ ਹੈ।''**

ਨਿਰਮਾਤਾ ਅਤੇ ਵਿਕਰੇਤਾ : **ਘਰਡਾ ਕੈਮੀਕਲਜ਼ ਲਿ.,**
ਰਜਿ. ਆਫ਼ਿਸ : ੪੮ ਹਿੱਲ ਰੋਡ, ਬਾਂਦਰਾ (ਪੱ.), ਮੁੰਬਈ - ੪੦੦੦੫੦, ਭਾਰਤ।
ਫ਼ੈਕਟਰੀ : ਪਲਾਟ ਨੰ. ਸੀ - ੪/੧, ਖੇਰਡੀ ਐਮ ਆਈ ਡੀ ਸੀ, ਸ਼ਹਿਰ : ਖੇਰਡੀ, ਤਾਲੁਕਾ : ਚਿਪਲੂਨ, ਜ਼ਿਲਾ : ਰਤਨਾਗਿਰੀ, ਪ੍ਰਦੇਸ਼ : ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ, ਪਿਨ ਕੋਡ : ੪੧੫੬੦੪. ਭਾਰਤ।

**DIRECTION FOR USE**

**FOR AGRICULTURAL USE**

**कृषि उपयोग के लिए**

**Read Leaflet Before Use**

**इस्तेमाल से पहले संलग्न पत्रिका पढ़ें।**

# Mahaveer SC®

Fipronil 5% SC

(Insecticide)

# महावीर एस. सी.

फिप्रोनिल ५% एस. सी.

(कीटनाशक)

Manufactured & Marketed by:
**GHARDA CHEMICALS LIMITED**
Regd. Office: Gharda House, 48 Hill Road, Bandra (W), Mumbai - 400050. INDIA.

For any complaints, contact Customer Care Executive at Gharda Chemicals Limited, Gharda House, 48 Hill Road, Bandra (W), Mumbai - 400050. INDIA
**Tel.: 022 66265998 / 66265999**
**Email: consumercare@gharda.com**
**Website: www.gharda.com**

® - Registered Trademark of Gharda Chemicals Limited.

K.01.25-01

# மகாவீர் SC

ஃபிப்ரோனில் 5% SC

(பூச்சிக்கொல்லி)

**உபயோகிப்பதற்கு முன்பு கீழ்கண்டதை படிக்கவும்**

ஃபிப்ரோனில் 5% SC என்பது தண்டுத்துளைப்பான், புகையான், பச்சைதத்துப்பூச்சி, இலை சுருட்டுப்புழு, ஆனைக் கொம்பன் ஈ, வெள்ளை தத்துப் பூச்சி, குருத்து ஈ ஆகியவற்றை நெற்பயிரிலும்: முட்டைக்கோஸ்மீது வைர முதுகுப் பூச்சி: மிளகாயில் பேன், அசுவினி பூச்சி, காய்ப் புழு: கரும்பில் இளங்குருத்துப் புழு, வேர் புழு மற்றும் பருத்தியில் அசுவினிப் பூச்சி, பச்சைதத்துப்பூச்சி, பேன், வெள்ளை ஈ மற்றும் காய்ப்புழு ஆகியவற்றை கட்டுப்படுத்த பயன்படுத்தப்படும் ஒரு பூச்சிக்கொல்லியாகும்.

**பரிந்துரை:**

| பயிர்கள் | பூச்சியின் பொது பெயர் | அளவு / ஹெக்டேர்: தீ.மூ (கிராம்) | கலவை (மில்லி லிட்டர்) | நீரின் அளவு (லிட்டர்/ஹெக்டேர்) | கடைசி தெளிப்பிலிருந்து அறுவடைக்கு இடையே காத்திருக்கும் காலம் (நாட்கள்) |
|---|---|---|---|---|---|
| நெல் | தண்டுத்துளைப்பான், புகையான், பச்சைத் தத்துப்பூச்சி, இலை சுருட்டுப்புழு, ஆனைக் கொம்பன் ஈ, வெள்ளை தத்துப்பூச்சி, குருத்து ஈ | 50-75 | 1000-1500 | 500 | 32 நாட்கள் |
| முட்டைக்கோஸ் | வைர முதுகுப் பூச்சி | 40-50 | 800-1000 | 500 | 7 நாட்கள் |
| மிளகாய் | பேன், அசுவினி, காய்ப்புழு | 40-50 | 800-1000 | 500 | 7 நாட்கள் |
| கரும்பு | இளங்குருத்துப் புழு, வேர் புழு | 75-100 | 1500-2000 | 500 | 9 நாட்கள் |
| பருத்தி | பருத்தியில் அசுவினி, பச்சைத்தத்துப்பூச்சி, பேன், வெள்ளை ஈ | 75-100 | 1500-2000 | 500 | 6 நாட்கள் |
| | மற்றும் காய்ப்புழு | 100 | 2000 | 500 | |

**அவசர அறிவிப்பு:** 1. லேபிள் மற்றும் துண்டுப்பிரதியில் குறிப்பிடப்பட்டுள்ள பயன்பாடுகள் தவிர வேறு எதற்கும் இதைப் பயன்படுத்தக்கூடாது. 2. துண்டுப்பிரதியில் [illegible]

**பயன்படுத்துவதற்கு முன் நன்கு குலுக்கவும்**

[illegible]

# మహావీర్ ఎస్.సి.

ఫిప్రొనిల్ 5% ఎస్.సి

(కీటకనాశని)

[illegible]

# ಮಹಾವೀರ್ ಎಸ್‌ಸಿ

ಫಿಪ್ರೋನಿಲ್ 5% ಎಸ್‌ಸಿ

(ಕೀಟನಾಶಕ)

**ಬಳಕೆ ಮೊದಲು ಕರಪತ್ರ ಓದಿ**

[illegible]

# മഹാവീർ SC

ഫിപ്രോനിൽ 5% SC

(കീടനാശിനി)

[illegible]

# মাহাবীর এসসি

ফিপ্রোনিল 5% এসসি

(কীটনাশক)

[illegible]

# DIRECTION FOR USE

**FOR AGRICULTURAL USE**

कृषि उपयोग के लिए

**Read Leaflet Before Use**

इस्तेमाल से पहले संलग्न पत्रिका पढ़ें।

# Mahaveer SC®

Fipronil 5% SC

(Insecticide)

# महावीर एस. सी.

फिप्रोनिल ५% एस. सी.

(कीटनाशक)


Manufactured & Marketed by:

**GHARDA CHEMICALS LIMITED**

Regd. Office: Gharda House, 48 Hill Road, Bandra (W), Mumbai - 400050. INDIA.

For any complaints, contact Customer Care Executive at Gharda Chemicals Limited, Gharda House, 48 Hill Road, Bandra (W), Mumbai - 400050. INDIA

**Tel.: 022 66265998 / 66265999**

**Email: consumercare@gharda.com**

**Website: www.gharda.com**


® - Registered Trademark of Gharda Chemicals Limited.

K.01.25-01